दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Alok Prasad

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: * 7100

Center & Date: M.K.N / 27. July

UPSC Roll No. (If allotted): 5907765

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

कला एवं वास्तुकला का निर्माण ही इसलिए किया जाता है ताकि उनका अस्तित्व भविष्य की पीढ़ियों तक बना रहे। जिसे निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है

(1) अजंता चित्रकला → 2 BC → 5th A.D तक
- बौद्ध धर्म की जातक कथाओं का विशेष उल्लेख
- उच्च तकनीक युक्त रंगों के प्रयोग के चलते अजंता चित्रकला अभी भी उसी अवस्था में

(2) मूर्तिकला → मथुरा मूर्तिकला → – यक्ष यक्षिणी मूर्ति
→ गांधार मूर्तिकला
→ अमरावती मूर्तिकला
- तीनों मूर्ति कला के अवशेष अभी भी मिलते हैं
- उदाहरण हेतु मथुरा मूर्तिकला के संदर्भ में मथुरा का कंकाली टीला।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वास्तुकला

① स्तूप

(स्तूपों का निर्माण अशोक के समय से ही आरंभ हो गया तथा उस दौर में बने स्तूप - साँची स्तूप, भरहुत स्तूप, तथा सारनाथ स्तूप अभी तक विद्यमान है)

② विहार / चैत्य

- बौद्ध - भिक्षुओं के निवास हेतु विहार और पूजा हेतु चैत्यों का निर्माण किया गया
- उदा. उड़ीसा के खण्डगिरि पहाड़ियों में दो मंजिला विहार
- कार्ले का चैत्य

③ मंदिर के

- नागर शैली → गुप्त काल में बना भितरगांव मंदिर
- द्रविड़ शैली → पंच पाण्डव मंदिर, शोर मंदिर
- वेसर शैली → हायलेश्वर - हलेबिड मंदिर

आदि का अस्तित्व अभी भी

④ मध्यकाल के स्तर पर इंडो इस्लामिक स्थापत्य की शुरुआत हुई। जिसमें ताजमहल तथा सूफी संत दरगाह कुछ कुछ शामिल आयाम लिए हुए थे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चोल की कांस्य प्रतिमाओं को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। यही कारण है कि अंग्रेजी इतिहासकारों ने चोल कारीगरों को राक्षसों की तरह वृहद सोचने वाले एवं जौहरियों की तरह तराशने वालों की संज्ञा दी है।

चोलकालीन कांस्य प्रतिमा की उत्कृष्टता का कारण द्रवी-मोम तकनीक है। इस तकनीक से बनी नटराज मूर्ति इस युग की सर्वश्रेष्ठ कांस्य प्रतिमा के रूप में विख्यात है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ईश्वरचंद्र विद्यासागर नवजागरण के अग्रदूत समाजसुधारक, संस्कृत के ज्ञाता, तथा प्रकाशक थे।

आधुनिक भारत के निर्माण में उनका योगदान विस्मरणीय है। विशेषतः महिलाओं के संदर्भ में।

① महिलाओं हेतु

- विधवा पुनर्विवाह हेतु उन्होंने सशक्त वकालत की। तथा उन्हीं के प्रयासों से चलते विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1956 अस्तित्व में आया।
- महिलाओं की शिक्षा के संदर्भ में
  - वे 35 बालिका विद्यालयों से जुड़े हुए थे
  - बालिकाओं की शिक्षा हेतु समाज को जाग्रत करने में अहम भूमिका निभाई
- महिलाओं से संबंधित कुप्रथाएं जैसे पर्दा प्रथा, बहुविवाह प्रथा, बालविवाह इत्यादि के विरुद्ध सशक्त जागरूकता अभियान चलाया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
Candidate must [not] write on this mar[gin]

आदिवासियों हेतु
- ईश्वर चंद विद्यासागर मानवतावादी दृष्टिकोण के पोषक थे। उन्होंने अपने जीवन के 18 वर्ष संथाल आदिवासियों के साथ व्यतीत किए।
- संथाल बालिकाओं हेतु विद्यालय

स्वतंत्रता आंदोलन
- कई पत्र-पत्रिकाओं के जैसे - सोम प्रकाश के माध्यम से भारतीय समाज को जागृत करने एवं राष्ट्रवाद भावना को प्रेरित करने में अहम योगदान

निष्कर्ष
- इस प्रकार कहा जा सकता है कि ईश्वर चंद सागर ने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम योगदान दिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उष्णकटिबंधीय चक्रवात निम्न दाब की उपस्थिति में उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उत्पन्न होते है।

निर्माण हेतु आवश्यक दशाएं

① समुद्र जल का तापमान का न्यूनतम 27°C होना ताकि वाष्पीकरण के माध्यम से ऊर्जा प्राप्ति हो।

② कोरियोलिस बल की अनुपस्थिति - चक्राकार गति हेतु

③ निम्न दाब का केंद्र तथा वायु का अवरोहण

④ क्षोभ मंडल के ऊपर वायु का अपसरण तथा धरातल पर अभिसरण

⑤ जेट स्ट्रीम की अनुपस्थिति

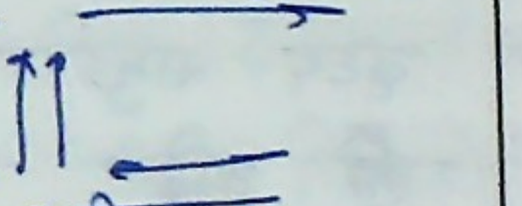

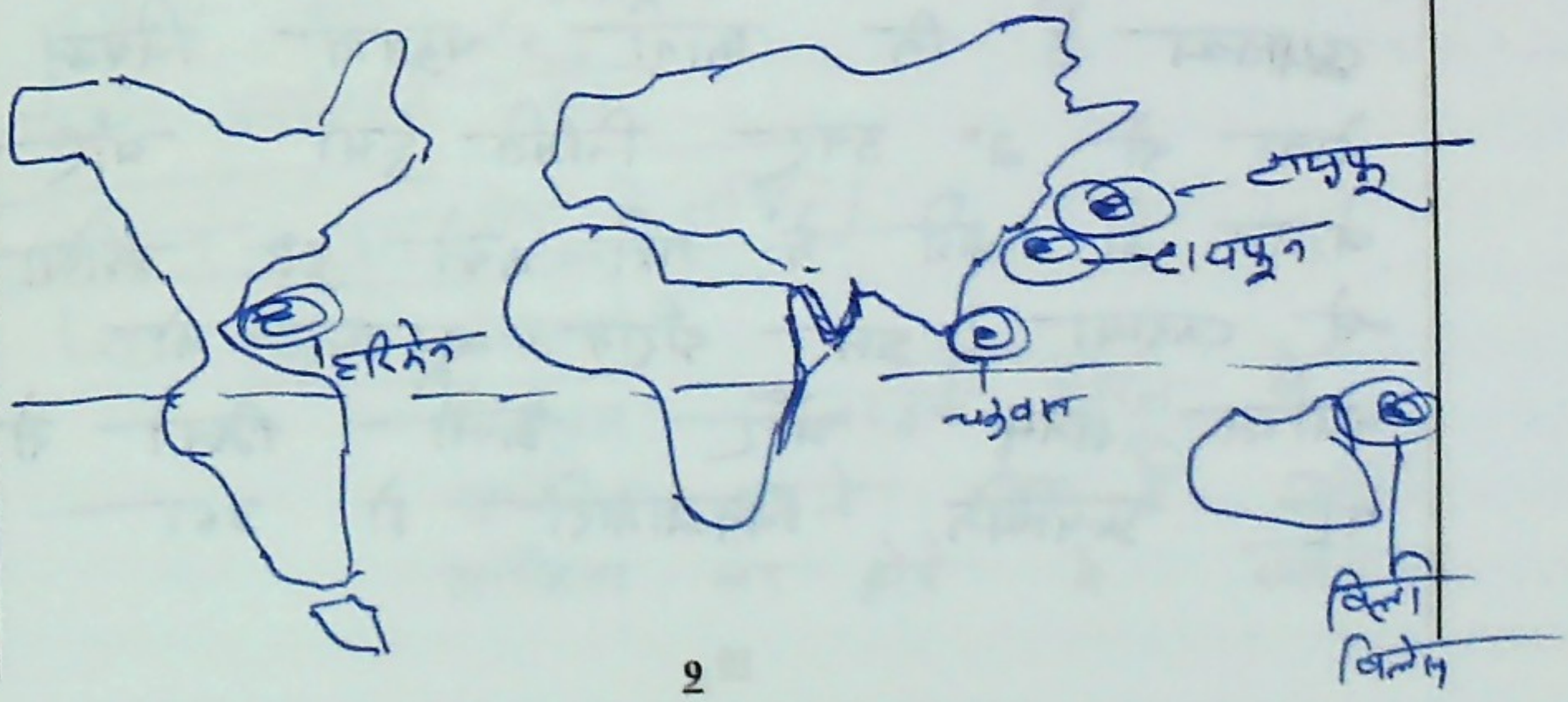

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

हाल ही में बंगाल की खाड़ी में फानी नाम का विध्वंसक चक्रवात उत्पन्न हुआ।

बंगाल की खाड़ी अधिक प्रवण क्यों

(1) बंगाल की खाड़ी का तापमान चक्रवात हेतु उपयुक्त रहता है। उदाहरण हेतु — बंगाल की खाड़ी में प्री मानसून तथा पोस्ट मानसून दोनों ही अवधि में चक्रवात जनन की संभावना रहती है।
↳ प्री मानसून - फानी

(2) गंगा-यमुना नदियों के जल का मिश्रण होने से समुद्र का जल का तापमान अधिक बना रहता है।

(3) वृहद समुद्री क्षेत्र की उपस्थिति - चक्रवात ~~[illegible]~~ को ~~[illegible]~~ बनने में आवश्यक समय प्रदान करती है

ज्ञातव्य है कि फानी चक्रवात विषुवत रेखा से 2° ऊपर निर्मित हुआ और बंगाल की खाड़ी में गति करते हुए उड़ीसा से टकराया। इस दौरान चक्रवात को पर्याप्त समय और ऊर्जा मिलने से यह अत्यधिक विनाशकारी हो उठा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में ब्रिटिश काल के समय दो टाइम जोन विद्यमान थे

→ उत्तर पूर्व में - टी टाइम जोन

└ शेष भारत का

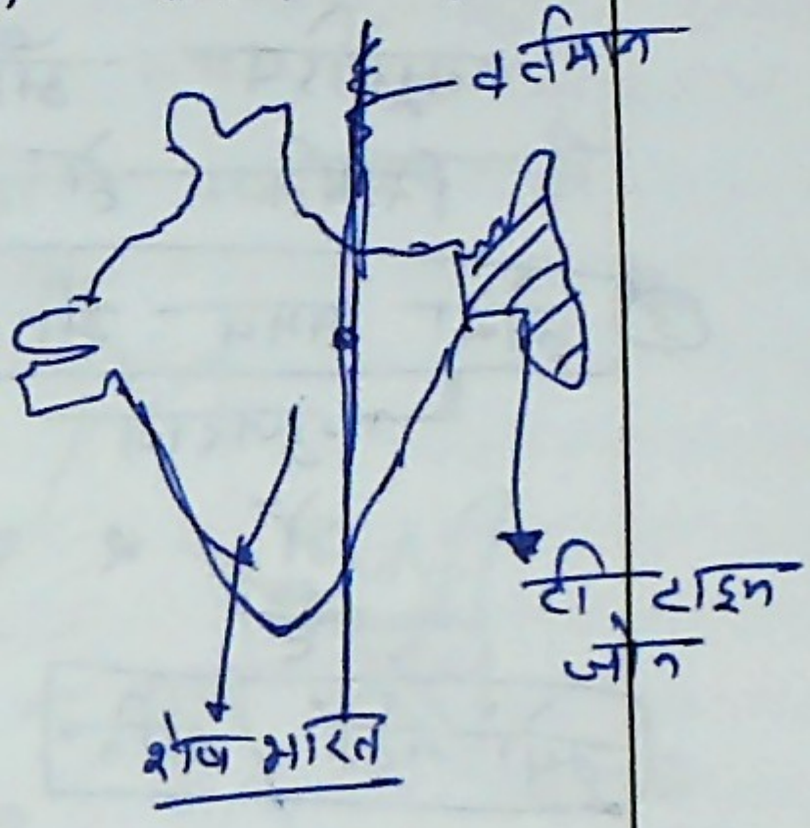

~~किन्तु~~ स्वतंत्रता के बाद भारत में एकल टाइम जोन अपनाया गया जोकि भारत के बीचों बीच से जाने वाली देशांतर रेखा (82°30') को निर्दिष्ट करता है।

वर्तमान में पुनः विभिन्न टाइमजोन की मांग उठी है। ज्ञातव्य है कि विदेशों जैसे - रूस, अमेरिका में कई टाइमजोन की उपस्थिति है।

विभिन्न टाइम जोन के लाभ

↳ ① ऊर्जा संरक्षण

↳ विशेषतः उत्तरपूर्वी भारत में सूर्योदय पहले होता है अतः ऑफिस बंद होने के समय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अंधेरे की उपस्थिति में ऊर्जा बचत नहीं है

② बॉडी क्लॉक के लिए आवश्यक है कि सोने और जगने का समय सूर्योदय और सूर्यास्त के अनुसार निर्मित हो

③ लंबा समय अंतराल
↳ गुजरात और उत्तर पूर्व के समय में 2 घण्टे का अंतराल रहता है

क्यों नहीं / हानि

① रेलवे इत्यादि को टाइमजोन के अनुसार खुद को अडजेस्ट करना होगा। किसी भी चूक की स्थिति में बड़ी दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है

② समन्वय की अनावश्यक समस्या

निष्कर्ष

भारत का क्षेत्रफल इतना वृहद नहीं कि उसे विभिन्न टाइमजोन में बांटने की आवश्यकता है। वस्तुतः विभिन्न टाइमजोन से ~~अनावश्यक~~ समन्वय की अनावश्यक समस्या उत्पन्न होगी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत का 68% क्षेत्र किसी न किसी रूप में सूखे से प्रभावित है तथा 13% से अधिक क्षेत्र बाढ़ की समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित है।

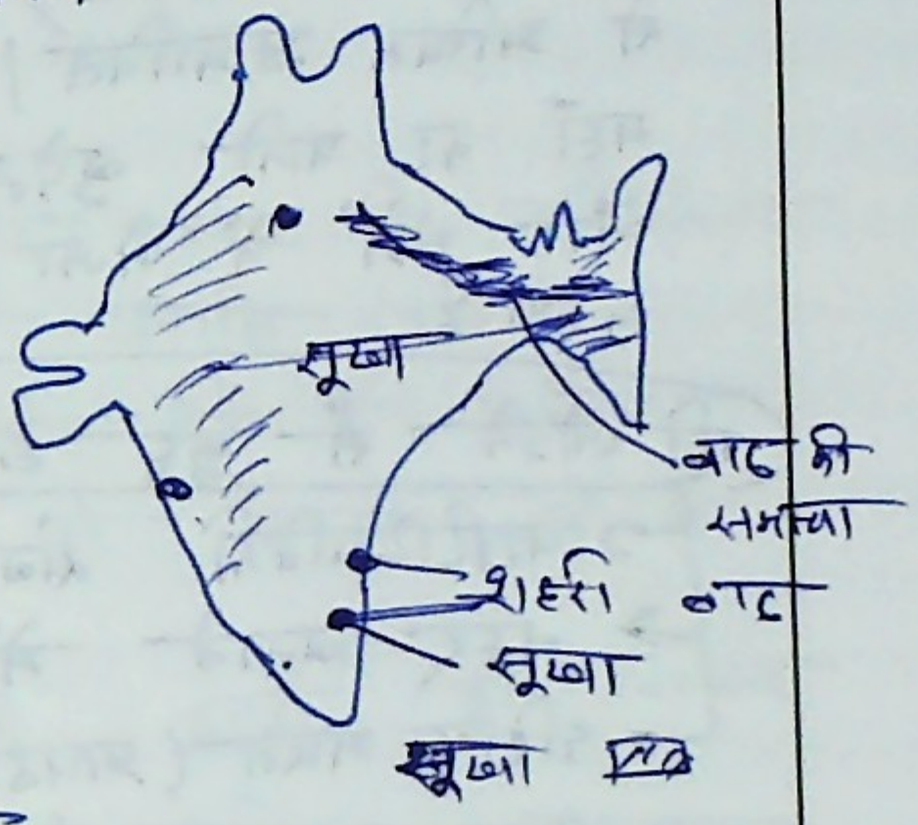

भारत के कई क्षेत्र तो मानसून के समय बाढ़ तथा गर्मियों के समय सूखे की समस्या का सामना करते है।

(35%) → उत्तर पूर्वी भारत
→ चेन्नई (उ. प. मानसून से 2015 की बाढ़
→ 2019 में वृहद सूखा)

नदियों को जोड़ना समाधान ?

(1) नदियों के जोड़ने से अधिक जल वाले क्षेत्रों से कम जल वाले क्षेत्रों की ओर पानी का आवागमन हो सकता है

(2) इससे मानसून के समय बाढ़ से बचा जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नदी जोड़ना

बाढ़ ×
- नदियों का अधिक पानी को सूखे क्षेत्र की ओर मोड़ना
- वर्तमान में उत्तर पूर्व तथा पूर्वी भारत (बिहार) बाढ़ से अधिक प्रभावित। अतः यहाँ का पानी बुंदेलखण्ड जैसे क्षेत्रों में भेजा जा सकता है

सूखा ×
- अधिक पानी वाले क्षेत्र से पानी का स्थानांतरण

नदी जोड़ने से कुछ हानियाँ भी हैं
- पारिस्थितिकी संबंधी चुनौतियाँ
- नहर बनाने में अत्यधिक धन की आवश्यकता
- दक्षिण भारत (प्रायद्वीपीय भारत) जोकि उत्तर भारत के मैदानी भाग से ऊपर है वहाँ पानी को लेकर जाने की समस्या

वर्तमान प्रोजेक्ट
1. केन बेतवा लिंक प्रोजेक्ट
2. कालेश्वरम् लिफ्ट परियोजना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 के विद्रोह के बाद भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की समाप्ति हुई और ब्रिटिश क्राउन के तहत शासन की शुरुआत हुई।

प्रांतीय प्रशासन

- 1861 के अधिनियम और 1892 के अधिनियम के संदर्भ में विशेष प्रगति नहीं।
- 1892 → निर्वाचन / वोट देने के अधिकार
  - → कार्यपालिका से बहस करने की अनुमति
- 1909 के अधिनियम में इन्हीं का विस्तार
- 1919 के अधिनियम में प्रांतीय स्वायत्ता की प्राप्ति हुई। किन्तु यहाँ भी प्रांतीय विषयों को हस्तांतरित और आरक्षित दो विषयों में बाँटा गया।

स्थानीय निकाय

- 1861 में लार्ड मेयो का स्थानीय स्वशासन के संदर्भ में प्रस्ताव आया
- किन्तु स्थानीय निकायों को विशेष शक्तियाँ नहीं दी गयी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोक सेवा

- लोक सेवा के भारतीयकरण की मांग लगातार तीव्र हुई।
- 1853 के अधिनियम में योग्यता के आधार पर लोक सेवा परीक्षा आयोजित कराने की बात हुई।
- 1863 के समय ~~भारत के~~ कुछ भारतीय लोक सेवा में चयनित हुए
  - 1st – सत्येंद्र नाथ टैगोर
- 1880 – लिटन द्वारा सिविल ~~सेवा~~ सेवा में भारतीय प्रवेश को हतोत्साहित करने का प्रयास किया
  (उम्र सीमा – 21 वर्ष से घटा कर 19 वर्ष)
- 1919 के अधिनियम में लोक सेवा आयोग का निर्माण हुआ
- अंततः आजादी बाद अखिल भारतीय सेवा बनी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद का अर्थ किसी मातृ देश / साम्राज्यवादी देश द्वारा किसी राष्ट्र के ऊपर शासन करना है। यहाँ शासन करने वाला देश औपनिवेशिक शक्ति तथा शासित होने वाला देश - उपनिवेश कहलाता है।

- औपनिवेशिक शक्ति
  - पश्चिमी राष्ट्र
    - इंग्लैण्ड
    - फ्रांस
- उपनिवेश
  - एशियाई → भारत, इंडोनेशिया
  - अफ्रीकी राष्ट्र
    - मिस्र इत्यादि

उद्देश्य
- लाभ कमाना
- उपनिवेश के संसाधनों का अत्यधिक दोहन करना

ध्यातव्य है कि लगभग सम्पूर्ण एशिया और अफ्रीका औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा शासित रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आमानी से प्रभुत्व स्थापित करने के कारण

1. पश्चिमी शक्तियों के पास अत्यधिक मजबूत नौसेना की उपस्थिति ने उन्हें अपने साम्राज्य को फैलाने में मदद की

2. पश्चिमी राष्ट्रों में सर्वप्रथम ~~औद्योगिकरण~~ पुनर्जागरण हुआ फलत: आधुनिक शिक्षा, लौकिकीकरण, तथा औद्योगीकरण को बल मिला।

3. अत्यधिक औद्योगीकरण ने पश्चिमी राष्ट्रों को उपनिवेशवाद बनाने हेतु प्रोत्साहित किया वस्तुत: औद्योगीकरण हेतु आवश्यक कच्चे माल की प्राप्ति उपनिवेश देशों के माध्यम से की जाने लगी

4. उपनिवेश बनाने हेतु पश्चिमी राष्ट्रों में प्रतिस्पर्धा - अफ्रीका के संदर्भ में देखी जा सकती है

5. उपनिवेश में ~~उपस्थित~~ असंगठित और कमजोर राजनीतिक संरचना तथा कबीलाई शासन (अफ्रीका) औपनिवेशिक शक्तियों का प्रतिरोध नहीं कर सकी

6. अफ्रीका और एशिया में साक्षरता और जागरूकता के अभाव के कारण पश्चिमी राष्ट्र अपना आधिपत्य जमाने में सफल रहे

निष्कर्षत: उपनिवेशवाद की सम्पूर्ण प्रक्रिया के पीछे यही कारण जिम्मेदार रहे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में तेंदुलकर समिति के अनुसार गरीबी लगभग 21% के करीब है। तथा ग्रामीण ~~मानिक~~ स्तर पर गरीबी लगभग 26% तथा शहरी स्तर पर गरीबी ~~13%~~ 13% के करीब है।

क्या वाकई गरीबी ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर स्थानांतरित हो रही है?

- ① शहरों में जीवन यापन हेतु खर्च गाँव की तुलना में काफी अधिक है
- ② PDS पर निर्भरता, PDS जैसी योजनाओं में लीकेज के चलते शहरी गरीबों को बाजार दाम पर अनाज खरीदने को मजबूर होना पडता
- ③ ग्रामीण क्षेत्रों से बढता प्रवासन → मलिन बस्तियों में बढती भीड - शहरी गरीब ↑
- ④ शिक्षा, स्वास्थ्य पर अत्यधिक खर्च के चलते गरीबी ↑
- ⑤ शहरों में बढती बेरोजगारी ———

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में भी गरीबी अत्यधिक बनी रहेगा।

(1) कृषि पर निर्भरता
- → 50 %. से अधिक लोगों की
- → कृषि की बढ़ती लागत के कारण कृषि लाभदायक नहीं रही
- → बेहतर दाम न मिल पाना
- → कर्जग्रस्त किसान
- बढ़ता विखण्डीकरण
- छोटे जोत

(2) भूमिहर मजदूरों की अत्यधिक संख्या
↳ 50 %. परिवारों के पास कोई जमीन नहीं।

निष्कर्षत: समझा जा सकता है कि शहरों और गाँव दोनों स्तरों पर गरीबी विद्यमान है।

आगे की राह

(1) कौशल विकास को महत्व दिया जाए
(2) PDS, Mid day Meal, ~~अंत्योदय~~ अन्त्योदय योजना, मनरेगा, इत्यादि का बेहतर क्रियान्वयन
(3) स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत का क्रियान्वयन
(4) शिक्षा को समावेशी बनाया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत में उत्तर वैदिक काल से ही वर्णव्यवस्था के जन्मजात वर्गीकरण से जातिव्यवस्था मजबूती से उभरी। वर्तमान में भी जाति व्यक्ति के आर्थिक सामाजिक जीवन को वृहद रूप से प्रभावित करती है।

जाति और आर्थिक असमानता के मध्य संबंध

1. उच्च जाति के लोग उच्च आय के कार्यों में तथा निम्न जाति के लोग निम्न आय के कार्यों में संलग्न है।
2. निम्न जाति के लोगों से आज भी मैला उठाने, तथा गैर मानवीय कार्य कराये जाते है। NFHS के अनुसार भारत में 1,67000 परिवार मैला उठाने में संलग्न है जिनमें अधिकांश दलित है।
3. उच्च जाति वर्गों द्वारा निम्न जाति के लोगों से कम मजदूरी या बेगार में काम करवाना
4. निम्न जाति के लोगों के पास भूमि अत्यधिक कम उपलब्धता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदाहरण हेतु SC की जनसंख्या लगभग 16% है किन्तु भूमि पर हिस्सेदारी मात्र 8.29% है।

(5) निम्न जाति के लोगों से होने वाला भेदभाव, अस्पृश्यता इत्यादि के ~~कारण~~ ~~आदि~~ चलते निम्न वर्ग के लोग सिर उठाकर जीना नहीं सीख पाये हैं

- पायल ताड़वी द्वारा आत्महत्या

नीतिगत उपाय

(1) कानूनी
- नागरिक अधिकार कानून 1955
- SC/ST (अत्याचार निरोध) कानून 1989

(2) योजनाएँ
- (1) मैला ढोने वाले व्यक्तियों के पुनर्वास ~~हेतु~~ तथा उनके स्वरोजगार हेतु योजना
- (2) Mudra योजना → ऋण उपलब्धता में प्राथमिकता
- (3) स्टैंड अप योजना → नवाचार हेतु ऋण
- (4) आदर्श ग्राम योजना
- (5) विभिन्न छात्रवृत्ति और निःशुल्क छात्रावास योजना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में ~~स्मार्ट~~ शहरीकरण में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। वर्तमान में लगभग 32% जनसंख्या शहरों में निवास करती है और 2050 तक 50% से अधिक जनसंख्या के शहरीकरण की संभावना है फलतः स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता महसूस हुई है।

स्मार्ट शहरीकरण
- स्मार्ट अवसंरचना
  - स्मार्ट सिटी
- स्मार्ट स्वास्थ्य सुविधाएँ
- स्मार्ट नागरिक
- स्मार्ट नीति निर्माण
- स्मार्ट गवर्नेंस
  - सूचना संचार तकनीक
  - स्थानीय निकायों का महत्व

शहरीकरण में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों एवं मुद्दों ने स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता को चिंहित किया है।

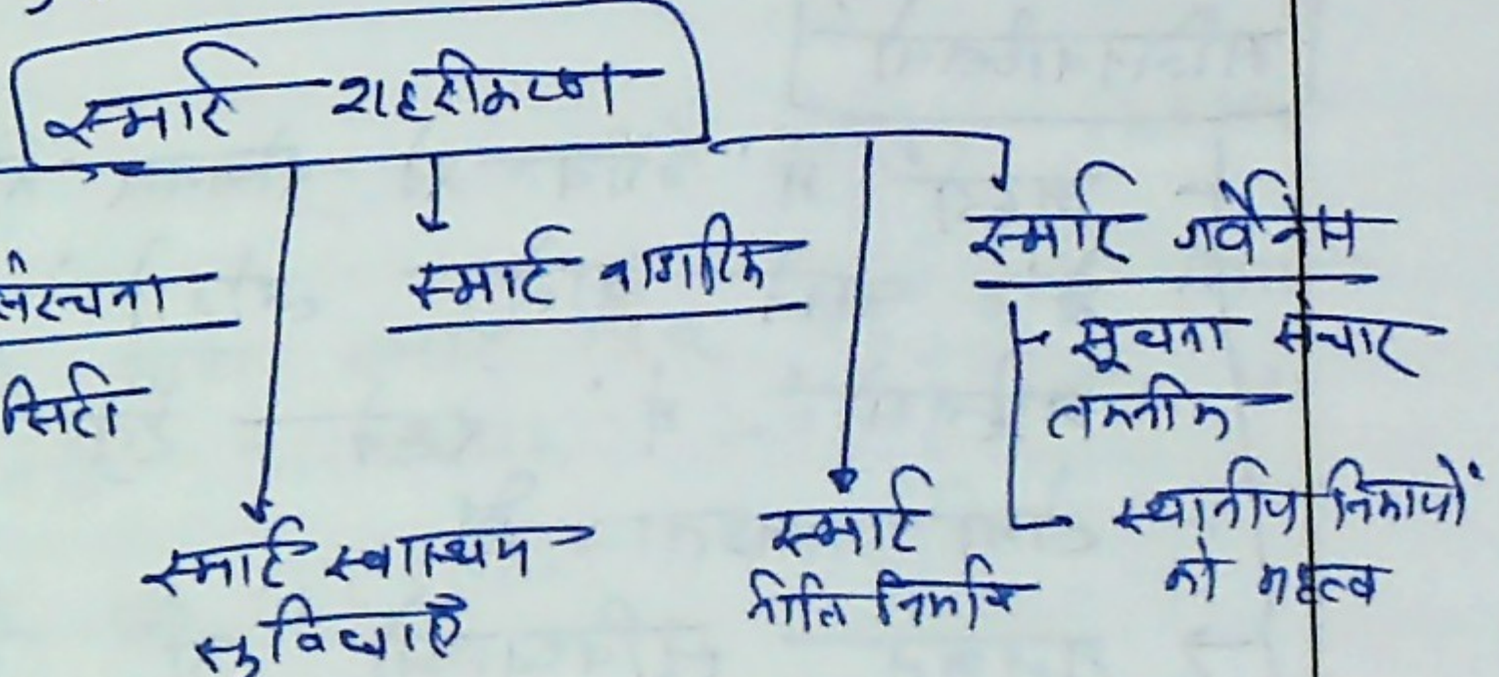

मुद्दे एवं चुनौतियाँ

① शहरों में अवसंरचना का स्तर बेहद खराब स्थिति में है। विशेषतः

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भविष्यगामी रणनीतियों का अभाव दिखता है।

- शहरों हेतु मास्टर प्लान की अनुपस्थिति या उसका अनुपालन न करना
- ~~शहरों का~~ बड़े शहरों में बढ़ता सन्न नगरीकरण की समस्या
  - उदाहरण हेतु दिल्ली का नगरीकरण ने नोयडा, गुड़गाँव में नगरीकरण को बढ़ावा दिया

मलिनबस्तियों

- शहरों में गाँव से रोजगार की उम्मीद में आने वाले लोगों को मलिन बस्तियों में रहने हेतु मजबूर होना पड़ता है।
- मूलभूत सुविधाओं का अभाव
- गवर्नेंस की पहुंच का अभाव
- मलिन बस्तियों में अस्वच्छता और अपराध की उपस्थिति

मजबूत नगर निगम का अभाव

- शहरों के विकास हेतु मजबूत नगर निगम की आवश्यकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किन्तु नगर निगम के पास आवश्यक शक्तियों, वित्त क्षमता, प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव

अस्वच्छता

↳ अधिकांश शहरों में स्वच्छता की स्थिति बेहद खराब

सतत विकास

↳ शहरों का असंधारणीय विकास ने सतत विकास को प्रभावित किया है।

आगे की राह

① शहरों को मास्टर प्लान के अनुरूप विकास हो

② शहरों के साथ स्मार्ट गाँव पर कार्य किया जाए ताकि अनावश्यक प्रवसन रुक सके

③ शहरों में नगरपालिका, नगर निगम को मजबूत बनाया जाए

④ विकेंद्रीकृत शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाए ताकि चुनिंदा शहर ही विकसित हो

⑤ सतत विकास विशेषतः SDG-11 के अनुसार शहरों का विकास हो

⑥ नागरिकों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बनाया जाए- जैसे - स्वच्छता हेतु स्वच्छ भारत अभियान में नागरिक सहभागिता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this mar...)

अंतर्देशीय जल परिवहन का तात्पर्य जल मार्गों का प्रयोग करके परिवहन को बढ़ावा देना है।

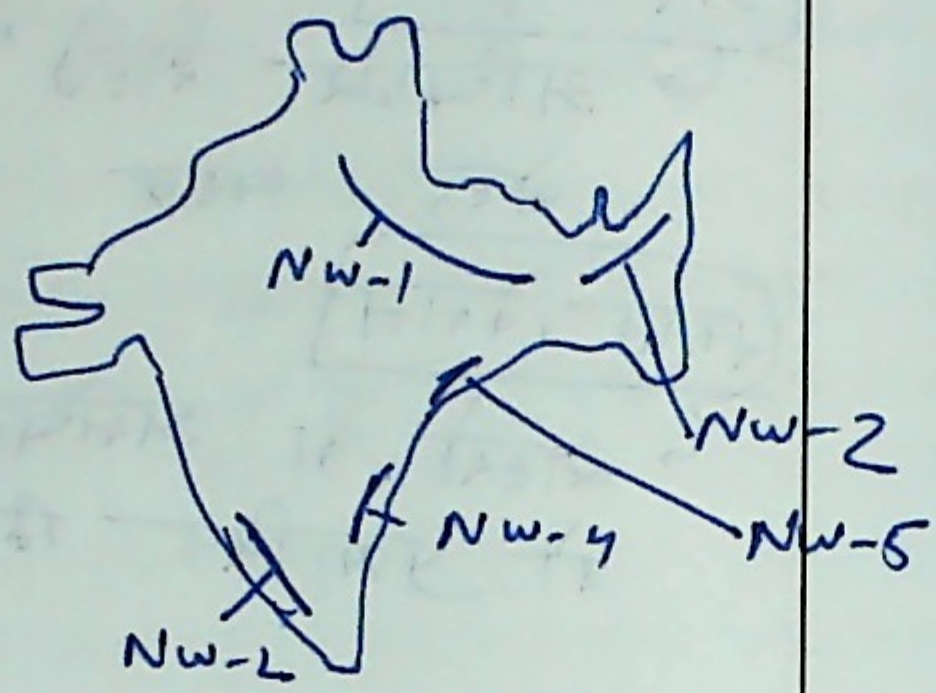

संभावनाएँ

(1) भारत में नदियों की अत्यधिक उपस्थिति → अतः नदियों का उपयोग जल मार्ग के रूप में

(2) जल परिवहन के माध्यम से माल ढोने की लागत सड़क एवं रेलमार्ग की तुलना में अत्यधिक कम है।

(3) जल परिवहन द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव सड़क / रेल मार्ग से पड़ने वाले प्रभाव की तुलना में कम
कम ईंधन → कम प्रदूषण

(4) जल परिवहन से सड़क / रेल पर ट्रैफिक कम होगा अतः तीनों में समन्वय के माध्यम से विशेष संभावनाएँ खोजी जा सकती हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियाँ

(1) नदियों के स्तर पर
- गहरी नदियाँ नहीं
- गाद को बाहर निकालने की लागत ज्यादा
- गर्मियों में अत्यधिक कम जलस्तर के कारण परिवहन ठप हो सकता है।
- बड़े जहाजों के माध्यम से माल ढोने में चुनौतियाँ.

(2) वित्त
- अत्यधिक वित्त की आवश्यकता
- राज्यों का सहयोग आवश्यक

(3) पर्यावरण
- जलयानों के प्रदूषण / ईंधन रिसाव से नदियाँ प्रभावित हो सकती हैं
- जलीय जीवों - विशेषतः डॉल्फिन जैसे क्रिटिकली इंडेंजर्ड जीव विलुप्त हो सकते हैं।
- जहाजों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण इन्हें प्रभावित कर सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंतर्देशीय जल परिवहन हेतु उठाये गए सरकार के कदम

(1) अंतर्देशीय जल परिवहन हेतु कानून द्वारा 106 जलमार्गों को स्वीकृति दी गई

(2) वाराणसी में मल्टी मॉडल टर्मिनल की स्थापना

(3) इलाहाबाद से हल्दिया तक के जल मार्ग - 1 को विकसित किया गया है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्वयुद्ध में दो गुटों में विश्वयुद्ध का प्रारम्भ हुआ

- इंग्लैंड
- रूस
- फ्रांस

- ~~जर्म~~
- जर्मनी
- आस्ट्रिया
- तुर्की

तत्कालीन भारतीय नेताओं ने प्रथम विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश सरकार का साथ दिया और बड़े स्तर पर भारतीय सैनिकों की भागीदारी विश्व युद्ध में रही।

विश्वयुद्ध के कारण भारत में समस्याएं

- अत्यधिक महंगाई, बेरोजगारी की समस्या
- विश्वयुद्ध के समय खाद्यान्न का निर्यात
  - अकाल/भुखमरी की समस्या।
  - किसानों की असंतुष्टि बढ़ी

बोल्शेविक क्रांति 1917 का प्रभाव

- बोल्शेविक क्रांति के फलस्वरूप साम्राज्यवादी शासन के विरुद्ध समाजवाद की लड़ाई को तीव्रता मिली
- किसान विद्रोहों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई
  - चम्पारन विद्रोह
  - मालाबार विद्रोह, एका आंदोलन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate must ... write on this ma...

↳ मजदूरों द्वारा यूनियन बनाना, हड़ताल करना इत्यादि में वृद्धि

↳ उदाहरण — अहमदाबाद मिल हड़ताल 1918

रोलेट एक्ट

↳ गांधी जी ने विश्वयुद्ध में ब्रिटेन को पूरा समर्थन किया। इन्हें भर्ती करने वाला सार्जेण्ट भी कहा गया। गांधी तथा अन्य नेताओं को सरकार से बेहतर उम्मीद थी

↓

फलतः असहयोग आंदोलन की शुरुआत

खलीफा / तुर्की का मुद्दा

- तुर्की का सम्राट को मुस्लिम समाज के खलीफा की ख्याति प्राप्त थी भारतीय मुसलमान भी भावनात्मक रूप से तुर्की से लगाव रखते थे
- किंतु युद्ध के बाद तुर्की का विभाजन ने मुसलमानों को असंतुष्ट किया

↓

खिलाफत आंदोलन की शुरुआत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाजवाद / साम्यवाद का प्रभाव

→ क्रांतिकारी आंदोलन के स्तर पर
- भगत सिंह तथा उनके साथ समाजवाद से अत्यधिक प्रभावित थे।
- हिंसक क्रांति के माध्यम सत्ता परिवर्तन

→ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का गठन

→ नेताओं के स्तर पर
- नेहरू समाजवाद के कट्टर समर्थक थे
- सुभाष चंद्र बोस → द्वितीय विश्वयुद्ध में समय जापान की मदद से INA का निर्माण

(INA → आजाद हिंद फौज का मामला)

निष्कर्ष

अतः स्पष्ट है कि प्रथम विश्वयुद्ध ने भारत को वृहद रूप से प्रभावित किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी जी का 1915 ई. मे भारत आगमन हुआ। ध्यातव्य है कि इससे पूर्व उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की नीति तथा साम्राज्यवाद का विरोध व्यापक स्तर पर किया। इन दक्षिण अफ्रीकी प्रयोगों को निम्न स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष में छाप देखी जा सकती है।

① दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने ब्रिटिश द्वारा लागू → [(पहचान - पंजीकरण) (अंगूठा लगा हुआ)] कानून का विरोध किया। तथा कानून का उल्लंघन करते हुए पंजीकरण प्रमाण पत्रों को सामूहिक रूप से आग में जलाया

* यही स्वरूप [सविनय अवज्ञा आंदोलन] में देखा जा सकता है। जहाँ नमक कानून तोड़कर उन्होंने कानून का उल्लंघन किया। चम्पारण में भी वह सरकारी आदेश के विरुद्ध

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

~~सत्याग्रह~~ अनशन किया

(2) दक्षिण अफ्रीका में विवाह पंजीकरण और रंगभेद की नीति का सत्याग्रह के माध्यम से विरोध

↓ असहयोग आंदोलन, खेड़ा सत्याग्रह अहमदाबाद मिल हड़ताल में यह देखा जा सकता है।

(3) सिद्धांतों के स्तर पर अहिंसा के महत्व की पहचान दक्षिण अफ्रीका में कर ली उन्होंने स्पष्ट समझा कि ~~अ~~ हिंसा न केवल लोगों की भागीदारी हतोत्साहित करती है बल्कि सरकार को दमन का अवसर भी प्रदान करती है।

↓ यही कारण था कि चौरा-चौरी कांड के बाद गांधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

(4) संघर्ष - विराम - संघर्ष की रणनीति को भी उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में अपनायी वस्तुत; वह यह समझ गए कि जनता की विद्रोही क्षमतों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से लड़ने की क्षमताएँ सीमित होती है तथा लंबे समय तक उनमें उत्साह बनाकर रखना असंभव है।

यही कारण रहा कि गांधी जी के तीनों बड़े आंदोलन (असहयोग, ~~सविनय~~ सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो) में लगभग 10-10 वर्षों का अंतराल रहा।

इस अंतराल में वह जनता की सहभागिता बनाए रखने हेतु रचनात्मक कार्यों में संलग्न रहे तथा जनता से जुड़े रहे।

स्पष्ट है कि गांधी जी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में प्रयुक्त रणनीति द. अफ्रीका में सत्यापित रणनीतियों का ही सोचा समझा हिस्सा थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार भारत शासन अधिनियम 1919 के तहत आये।

ध्यातव्य है कि ब्रिटिश सरकार द्वारा इससे पूर्व भी कई संवैधानिक सुधारों को प्रस्तुति की। किन्तु वे सुधार अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।

→ इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य - ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों की रक्षा करना होता था

→ भारत में आंदोलनरत उदारवादी खेमे को संतुष्ट करना तथा असंतुष्ट के विरुद्ध कठोर कार्यवाही

मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार के सम्बंध में समीक्षा

(1) व्यस्क मताधिकार की मांग भारतीय नेताओं और कांग्रेस द्वारा लंबे समय से की जा रही थी किन्तु उसके बावजूद मांट फोर्ड सुधार में मताधिकार का विस्तार किया गया। नाकि व्यस्क मताधिकार दिया गया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mu... write on this m...)

अतः यह अधूरापन और देरी को दर्शाता है।

(2) कांग्रेस द्वारा लंबे समय से स्वराज, स्वशासन, डोमेनियन स्टेटस की मांग की जाती रही। किन्तु इसके बावजूद मांटफोर्ड सुधारों में केंद्र में उत्तरदायी शासन की स्थापना नहीं की गयी। हालांकि राज्यों में कुछ हद तक उत्तरदायी शासन की ~~स्थापित की~~ अनुमति दी गयी। अतः यह भी अधूरेपन को दर्शाता है।

(3) लोक सेवाओं के भारतीयकरण की मांग लंबे समय से उदारवादी करते रहे किन्तु 1919 में लोक सेवा आयोग की स्थापना से लोक सेवा के भारतीयकरण में वृद्धि हुई।

(4) राज्यों में उत्तरदायी शासन में द्वैध शासन प्रणाली लागू की गयी जिसमें राज्य स्तर पर विषयों को हस्तांतरित विषय (मंत्रियों के माध्यम से गवर्नर) तथा आरक्षित विषय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(सलाहकारों के माध्यम से गवर्नर) में बाँटा गया। ध्यातव्य है कि वास्तविक अधिकार अभी भी गवर्नर के पास ही रहे। साथ ही वित्त मंत्रालय जैसे विषय आरक्षित श्रेणी में होने से उत्तरदायी शासन की अवधारणा अधूरी, साबित हुई।

(5) केंद्रीय व्यवस्थापिका में निर्वाचित सदस्यों के बहुमत की दीर्घकालिक मांग रही। जोकि 1919 में जाकर पूरी हुई।

निष्कर्ष- ब्रिटिश द्वारा लाये गए संवैधानिक सुधारों का आधार औपनिवेशिक सत्ता को स्थायित्व प्रदान करना था नाकि भारतीयों को स्वशासन देना। यही कारण रहा कि उन्होंने जब तक संभव हुआ सुधारों को अवलंबित रखा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी, इटली का राष्ट्रवाद आहत हुआ। फलतः यहाँ फासीवादी शक्तियों का उभार हुआ।

① जर्मनी में हिटलर के नेतृत्व में नाजीवादी शासन और इटली में मुसोलिनी के नेतृत्व में फासीवादी शासन की उपस्थिति का मूल उद्देश्य अपने देश के खोये गौरव को वापस प्राप्त करना था।

② खोये गौरव की प्राप्ति के उद्देश्य के फलस्वरूप जर्मनी, इटली ने अपने राष्ट्रों में अनिवार्य सैन्यीकरण को बढ़ावा दिया। और आगे इसी सैन्यीकरण ने द्वितीय विश्वयुद्ध को आधार दिया।

राष्ट्र के आत्म सम्मान को सहेजने हेतु इन राष्ट्रों ने साम्राज्यवादी नीति अपनायी। और विस्तारवादी नीति के तहत विभिन्न क्षेत्रों पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आधिपत्य की कोशिश की। किन्तु इंग्लैण्ड / फ्रांस जैसे राष्ट्रों ने इन्हें तब तक तुष्ट किया जब तक ये उनके हितों में बाधा न बन गए

1. इटली द्वारा फ्यूम नगर पर कब्जा
2. जर्मनी द्वारा डान्जिग बंदरगाह पर आधिपत्य। पौलेण्ड पर साम्राज्यवादी प्रसार
3. इटली और जर्मनी द्वारा अफ्रीका में साम्राज्यवादी प्रसार
4. जापान द्वारा चीन के मंचूरिया पर आधिपत्य

~~तुष्टिकरण~~ इंग्लैण्ड / फ्रांस ने जर्मनी इटली की नीतियों को तुष्ट इसलिए किया क्योंकि इन साम्राज्यवादी प्रसार से उन्हें व्यापार में आर्थिक लाभ हो रहा था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किन्तु अंतत: फासीवादी शक्तियों की लगातार बढ़ती विस्तारवादी नीतियों ने अंतत: द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राज्यों के भाषीय आधार पर पुनर्गठन की मांग स्वतंत्रता आंदोलन के समय से रही। और तत्कालीन सभी नेताओं / कांग्रेस द्वारा इस मांग का समर्थन किया गया।

आजादी के बाद

- भाषीय आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग तीव्रता से उठी
  - श्री रामलू का आमरण अनशन
  - तेलगू भाषा के आधार पर आंध्र प्रदेश की स्थापना
- और अंततः 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के आधार पर 20 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों का निर्माण हुआ।

भाषीय पुनर्गठन बनाम राष्ट्रीय एकता

- भाषीय आधार पर राज्यों के गठन ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संतुष्ट किया फलतः राष्ट्रीय एकता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मजबूत हुई।

(2) भाषा के आधार पर राज्य निर्माण के बाद भाषीय आधार पर ~~समाज~~ लोगों में टकराव की संभावना कम हुई।

(3) पुनर्गठन के बाद बाल्कनीकरण की समस्या समाप्त हुई। राष्ट्रीय एकता मजबूत हुई।

(4) मतांतर में सहमति संघवाद पर बल देते हुए राष्ट्रीय एकता को और मजबूत किया गया।

हालांकि इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ विद्यमान रही। जैसे -

(1) क्षेत्रवाद को मजबूती दी।

(2) राज्यों के आपसी तनावों में वृद्धि हुई उदाहरण हेतु नदी विवाद के संदर्भ में देखा जा सकता है।

(3) केंद्र और राज्यों के मध्य टकराव की राजनीति जारी रही।

उदाहरण हेतु तमिलनाडु में केंद्र विरोध, हिंदी विरोध, इत्यादि की व्यापक असहयोग रहा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

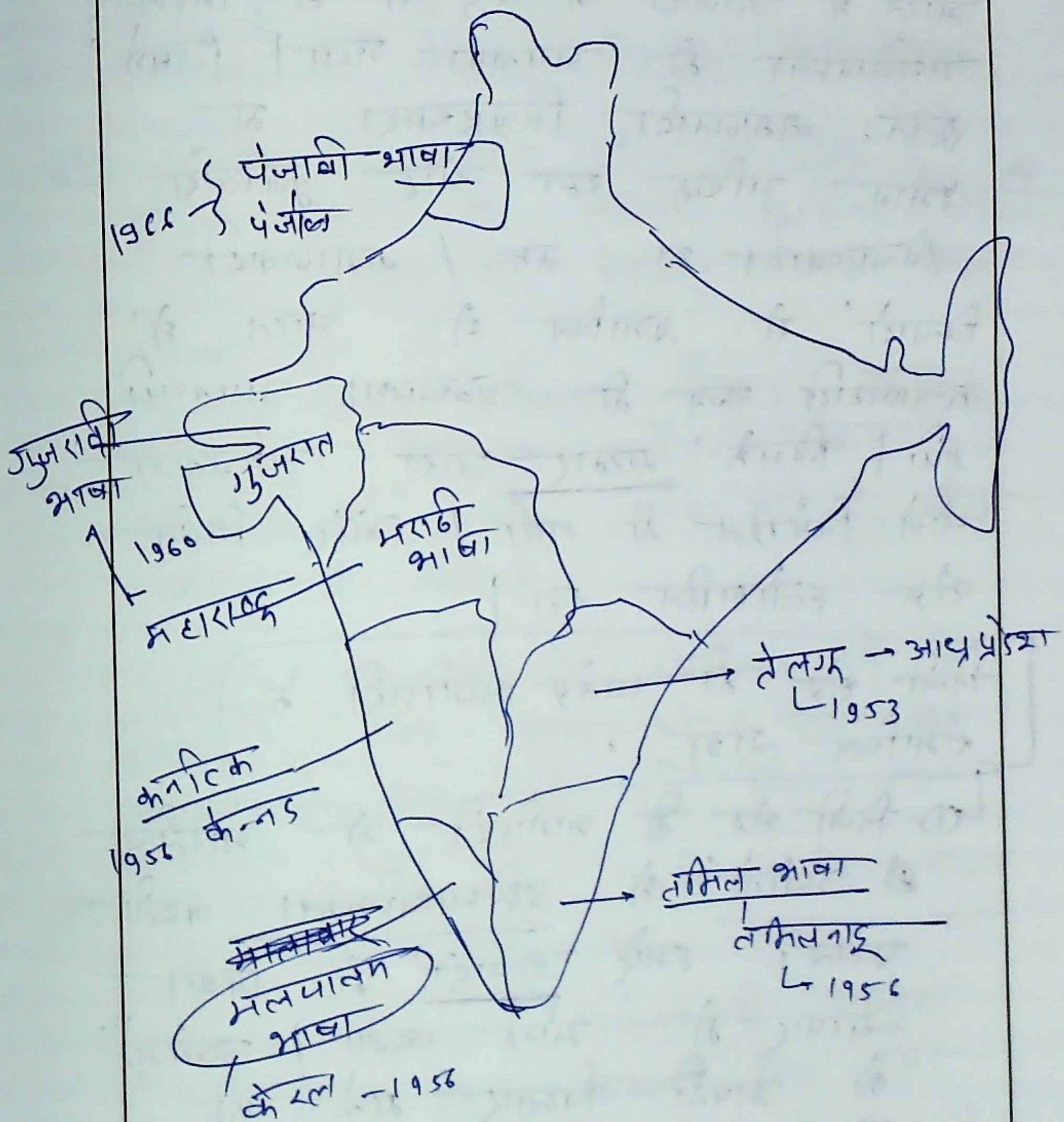

इसके बावजूद ~~सत्य~~ भाषीय आधार पर राज्यों का गठन भारत की एकता को बनाने में ही अधिक मददगार रहा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं लि... चाहिये।

(Candidate must... write on this ma...

भारत में आजादी के बाद से ही मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया गया। जिसमे समाजवादी विचारधारा का प्रभाव अधिक रहा और पूंजीवादी विचारधारा का कम / समाजवादी विचारों से प्रभावित हो भारत में कल्याणकारि राज्य की अवधारणा अपनायी गयी। जिसके सरकार द्वारा अधिकांश चीजे नियंत्रित की गयी / और निजी क्षेत्र हतोत्साहित रहा।

निजी क्षेत्र की स्वतंत्र भागिदारी के संभावित लाभ :

(1) निजी क्षेत्र की भागिदारी से भारतीय उद्योगों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढती फलत: हमारे उत्पादों की विश्व व्यापार मे मांग बढती। उद्योगों को अपने विस्तार करने का मौका मिलता फलत: रोजगार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की संभावना बढ़ती
↓
गरीबी जैसी समस्याएँ स्वत: दूर हो जाती है
↓
भारत का बेहतर विकास हो पाता

(2) दूसरे स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता की सेवा प्रदायगी में बेहतर भूमिका निभाती और जनता को बेहतर सेवाएँ मिल पाती है
उदाहरण हेतु टेलीकाम सेक्टर पर सरकारी नियंत्रण हटने के बाद प्रतिस्पर्धा के चलते फोन कॉल रेट तीव्र गति से घटी।

अगर निजी क्षेत्र को स्वतंत्रता देने के बृहद स्तर पर लाभ थे तो भारत में ऐसा क्यों नहीं किया गया

(1) निजी क्षेत्र के पास उतनी अधिक मात्रा में पूंजी तकनीक का अभाव था
फलत: राज्य के नियंत्रण में उद्योगों
→ के विकास को बढ़ावा दिया गया
– सरकार विदेशी सरकारों से समझौता कर तकनीक हासिल करने में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this mar[gin])

अधिक सक्षम थी

(2) निजी क्षेत्र लाभ की अवधारणा पर काम करता है। वहीं भारत की अधिकांश जनसंख्या को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की चुनौती का समाधान निजी क्षेत्र को स्वायत्तता देकर संभव नहीं था। फलतः कल्याणकारी राज्य की अवधारणा चलती रही।

निष्कर्ष

→ ऐसा संभव था कि हम अगर निजी क्षेत्र को मौके देते तो भारत का बेहतर विकास हो सकता था। किन्तु निजी क्षेत्र की भागीदारी को नियंत्रित रूप से तथा चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की आवश्यकता थी।

हालांकि भारत ने ऐसा किया भी किन्तु ये सुधारों की गति धीमी और विलंब से हुई। और लंबे समय तक लाइसेंस राज के चलते प्रशासन में भ्रष्टाचार के साथ ही आर्थिक विकास को भी क्षति पहुंची।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण से तात्पर्य खुलापन से है जिसमें विभिन्न देशों के मध्य वस्तु, व्यक्ति, निवेश इत्यादि का आवागमन होता है। तथा ग्लोबल विलेज की अवधारणा साकार होती है

वैश्वीकरण बनाम राज्य की भूमिका

वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को नियंत्रक से नियामक की ओर परिवर्तित किया है

नियंत्रक ——— नियामक

नियंत्रक
- पुलिस स्टेट
- सेवा प्रदायगी में सरकार की भूमिका अत्यधिक

नियामक
- निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ी
- सरकार नियामक की भूमिका में आयी

(2) वैश्वीकरण से राज्यों के बीच आपसी अंतर्संबंधों में वृद्धि हुई है

(3) विभिन्न समझौतों के माध्यम से वैश्विक एकीकरण को अपनाया जा रहा है

↳ उदाहरण – WTO का निर्माण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) वैश्वीकरण के चलते वैश्विक समस्याओं (जैसे - ग्लोबल वार्मिंग) इत्यादि का समाधान सभी देशों द्वारा मिलजुलकर किया जा रहा
(उदाहरण — पेरिस क्लाइमेट समझौता

विकासशील देशों पर वैश्वीकरण का प्रभाव

सकरात्मक प्रभाव

(1) आर्थिक व्यापार, निवेश, रोजगार, आर्थिक संवृद्धि दर में तीव्र वृद्धि हुई।

(2) महिलाओं की भूमिका में वृद्धि हुई महिलाओं हेतु रोजगार के अवसर सृजित हुए

(3) तकनीक विकासों के आदान प्रदान के चलते विभिन्न समस्याओं के समाधान में आसानी हुई
↳ जलवायु परिवर्तन

(4) सांस्कृतिक स्तर पर विविधता आयी

(5) भारतीय संस्कृति की पहुँच विदेशों तक पहुची
↳ जैसे - अमेरिका में होली

(6) भारतीय फिल्मों का बाजार बढा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नकारात्मक प्रभाव

① सांस्कृतिक स्तर पर ~~~~ पश्चिमीकरण को बढ़ावा फलतः भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, भारतीय पहनावा इत्यादि का अवमूल्यन हुआ

② खान पान में बढ़ता मैकडॉनाल्डीकरण से जीवन शैली संबंधी समस्याएँ उभरी

③ महिलाओं ~~~~ का वस्तुकरण बढ़ा, पोनोग्राफी, बढ़ी

④ वैश्विक व्यापार में ~~~~ विकासशील देश लाभ लेने में विकसित देशों की तुलना में पीछे रहे।

निष्कर्षतः वैश्वीकरण का विकासशील देशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this marg[in])

हाल ही में लैंगिक न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता संबधी मुद्दों में बृहद स्तर पर टकराव प्रदर्शित हुआ। जिन्हें निम्न उदाहरण के संबंध से समझा जा सकता है।

① मंदिर प्रवेश

↳ सबरीमाला मंदिर, शनि शंगणापुर, हाजी दरगाह इत्यादि मंदिरो/मस्जिदों मे महिला के प्रवेश को धार्मिक आधार पर प्रतिबंधित किया जाता रहा है।

किन्तु वर्तमान में लैंगिक न्याय के आधार पर इस स्थिति में परिवर्तन हुआ। जिसमें ~~SC~~. न्यायपालिका की भी अहम भूमिका रही।

② तीन तलाक

↳ मुस्लिम महिलाओं के तीन तलाक संबधी प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 के एकदम विरुद्ध तथा लैंगिक न्याय विरोधी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

थे। अतः धर्म के आधार पर महिलाओं को शोषित नहीं किया जा सकता

↳ हाल में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्काल तीन तलाक पर रोक लगाई। साथ ही सरकार तीन तलाक पर कानून लाकर लैंगिक न्याय स्थापित करना चाहती है।

अन्य सिविल कानून

↳ जैसे- उत्तराधिकार (सम्पत्ति) संबंधी धार्मिक कानून

→ इन कानूनों में महिलाओं को पुत्रों के बजाय दोयम दर्जे का स्तर दिया गया है।

→ 1956 के हिंदू सिविल कोड में महिलाओं को सम्पत्ति हस्तांतरण में बराबरी के अधिकार दिए गए

IPC-497

↳ महिलाओं को एडल्टरी (Adultery) के विरुद्ध शिकायत न करने का अधिकार पितृ सत्तात्मक सोच और वस्तुकरण को दर्शाता है जिसे सुप्रीमकोर्ट ने अवैध घोषित किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

पर्दा प्रथा / बुरका

पर्दे/बुरका के कारण महिलाओं को धर्म की आड़ में परतंत्रता का सामना करना पड़ता है।

<u>आगे की राह</u>

(1) लैंगिक न्याय को धार्मिक कानूनों पर प्रमुखता दी जाए

(2) संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 14, 15 को धार्मिक स्वतंत्रता (A-24) इत्यादि पर प्रधानता दी जाए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation